ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಮಾದರಿ ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆ 2023–24

ವಿಷಯ : ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

KEY ANSWERS

प्र.सं	उत्तर	अंक
1	D. औरत	1
2	A. अभिशाप	1
3	C. दिर्घ	1
4	B. दायरे	1
5	A. तत्पुरुष	1
6	C. से	1
7	B. पूर्णविराम	1
8	D. जिताना	1
9	कहानी	1
10	अब्दुल कलाम	1
11	ईमानदारों के सम्मेलन में	1
12	चुगलखोर	1
13	लेखक पर्साई जी को होटेल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।	1
14	दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई।	1
15	नर, सरित, गिरि और सिंधू को एक समान लांघ सकता है।	1

16	हंस का स्वभाव, पानी रुपी विकारों को छोडकर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना है।	1
17	प्रेमचंदजी अपना अनुभव बताते हुए पाठकों को सचेत जरते हैं कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरते तो धोखा खाने की संभावना होती है।	2
18	जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते हैं कि जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म – पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।	2
19	साँप ने दोस्तों को सुझाव दिया कि ऐसा करो लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ। दोस्तों ने पूछा इसके बाद क्या करना पड़ेगा ? साँप ने कहा आगे की बात मैं नहीं जानता। मुझे रत्ती भर भी पता नहीं।	2
20	गाँव को साफ-सुथरा रखना और गाँव में एक ही जगह पर कूडा डालना चाहिए। गाँव में पेड़-पौधे लगाकर गाँव को हरा-भरा रखने से, गाँव को एक नया जीवन प्रदान करके गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है।	2
21	वैज्ञानिक युग में दिनकर जी मानव का विश्लेषण करते हुए कहते हैं कि आज के मानव ने प्रकति के हर तत्व पर विजय प्राप्त करली है। परंतु कैसी विडंबना है कि उसने स्वयं को नही पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा।	2
22	बाल कृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है। मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है। सब ग्वाल मित्र मेरे ऊपर चुटकी दे-देकर हँसते हैं, बलराम ने उन्हें ऐसा करना सिखाया है।	2
23	टाइटन शनि ग्रह का सबसे बड़ा उपग्रह है। वह सौरमंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। यह हमारे चंद्र से भी काफी बड़ा है। इसका व्यास 5150 किलोमीटर है। इसकी सतह पर अंतरिक्ष यान को उतारा जा सकता है। अथवा शनि ग्रह सुर्य से पृथ्वी की अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर होने के बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह तक पहँचाता है - पृत्वी का मात्र सौवाँ हिस्सा। इसके वायुमंदल का तापमान शून्य के निचे 150° सेंटीग्रेड के आसपास होता है। इसलिए शनि ग्रह सौरमंडल का अत्यंत ठंडा ग्रह है।	2
24	सत्य की शक्ति के बारे में महात्मा गांधीजी का कथन है कि “सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर करते है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत कभी नहीं होता। अथवा सत्य के बारे में जॉन मेन्सफील्ड की धारणा है कि सत्य की नाव से ही हम भव सागर का संतरण कर सकते हैं सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है। अतः हमें हर स्थिति मे सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।	2

25	गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष ही होती है । अत: गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर गिल्लू न कुछ खाया, न बाहर गया । पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परंतु सुबह की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया ।	3
26	बसंत एक ईमानदार लड़का है, क्योंकि वह छलनी, बटन और दियासलाई बेचकर मेहनत कर के अपना और अपने भाई का पेट पालता है । छलनी बेचे बिना पैसे लेना वह भीख समझाता है । घायल स्तिथि में भी वह होश आने पर पं.राजकिशोर के पैसे अपने भाई प्रताप के हाथों लौटाता है । जब पं. राजकिशोर चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने लगते हैं तो कहता है मैं गरीब हूँ । इतने पैसे मेरे पास नहीं हैं । इससे हम कह सकते हैं कि बसंत एक ईमानदार लड़का है ।	3
27	सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह ला खाड़ा कर दिया है । सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं । जैसे- फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि । इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेष-भुषा, खान-पान के अलावा कला तथा संस्कृति का प्रभाव शिघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है ।	3
28	रोबोनिल और रोबोदीप ने रोबोटिक संघ में जाकर साधोराम के बारे में सारी बातें बता दी । इन सब बातों को सुनकर अध्यक्ष संघ की कार्यकारिणी की आपत्कालीन बैठक बुलाई। बैठक में यह तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों में काम करनेवाले रोबोटों की हड़ताल की घोषणा का आह्वाहन कर दिया गया । इस ख़बर से रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल मच गई ।	3
29	बिछेंद्री बचपने से एवरेस्ट पर चढ़ने की तैयारी करने लगी । उनको बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था । बाद में पर्वातारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका यह कठोर परिश्रम बहुत काम आया। बिछेंद्री ने 'कालानाग' पर्वत की चढ़ाई की । सन् 1982 में उन्होंने 'गंगोत्री ग्लेशियर तथा 'रुड गेरो' पर्वत की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा । इस तरह बिछेंद्री ने एवरेस्ट पर चढ़ाई करने के लिए खुद को तैयार किया ।	3
30	मातृभूमि के एक हाथ में न्याय पताका है । दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है । मातृभूमि के खेत हरे-भरे हैं और सुंदर हैं । वन-उपवन फल-फूलों से भरे हुए हैं । मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है । आज मातृभुमि के साथ कोटि-कोटि भारतवासी हैं । सकल नगर और ग्राम में जय हिंद का नाद गूँज उठा है । इस प्रकार 'मातृभुमि' कविता में भारत माँ का स्वरूप सुशोभित है।	3
31	समय अनमोल है और बहुत उपयोगी है । समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा, वह अपने काम में सफल होगा। इसलिए काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए । ऐसा समय फिर कभी नहीं मिलेगा । समय खोकर आगे बहुत पछताना पड़ेगा । अत: कवि सियारामशरण गुप्त जी के अनुसार समय का सदुपयोग करना चाहिए ।	3

32	प्रस्तुत पंक्तियों को तुलसीदास द्वारा रचित तुलसी के दोहे से लिया गया है । प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी प्रकार राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है।	3
33	ಶನಿ ನಮ್ಮ ಸೌರಮಂಡಲದ ಒಂದು ಅದ್ಭುತ ಗ್ರಹವಾಗಿದೆ. ಯಾವುದೇ ಗ್ರಹವನ್ನು ಶುಭ ಮತ್ತು ಅಶುಭ ತಿಳಿಯಲು ಯಾವುದೇ ಭೌತಿಕವಾದ ಕಾರಣವಿಲ್ಲ. ಸೌರಮಂಡಲದ ಎಲ್ಲ ಗ್ರಹಗಳಲ್ಲಿ ಶನಿಯು ಸುಂದರ ಗ್ರಹವಾಗಿದೆ.	3
34	कर्नाटक की शिल्पकाला अनोखी है । बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है । बेलूर, हलीबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं सजीव लगती हैं । ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनाती हैं ।श्रवण्बेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एक शिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है । अथवा कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है । पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं । पंपा, रन्ना, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना की है। आधुनिक काल के साहित्यकार कुवेम्पु, द. रा. बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि. कृ. गोकाक, यू. आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और डॉ. चंद्रशेखर कंबार, ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत हैं। इन सारे साहित्यकारों ने मिलकर कन्नड भाषा तथा संस्कृति की श्रीवृद्धि की है ।	4
35	असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो । जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम ।	4
36	अ) विक्रम साराभाई एक महान एवं यशस्वी वैज्ञानिक थे । आ)विक्रम साराभाइ बचपन से ही प्रतिभावान और कुशाग्र थे । इ)रविद्रनाथ टैगोर ने भविष्यवानी की थी कि बालक विक्रम बड़ा होकर बहुत यश प्राप्त करेगा । ई)विक्रम को सदैव कास्मिक किरणें और परमाणु शक्ति अनुसंधान के लिए स्मरण किये जाते हैं ।	4

37	क) **जनसंख्या की समस्या** **प्रस्तावना :** जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है । इससे हर समस्या उत्पन्न होती है । भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। इस समय भारत की जनसंख्या 138 करोड़ से अधिक है । **जनसंख्या वृद्धि के कारण :** विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं में उन्नति के फलस्वरूप मत्यु दर कम और औसत आयु मे वृद्धि हुई है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बच्चए भगवान की देन है समझकर परिवार नियोजन जैसे उपायों से दूर रहना । गरीबी, अशिक्षा और सरकार के उपायों का असफल होना आदि । **परिणाम :** देश की प्रगति कुंठित होती है, सरकार की योजनाएँ असफल हो जाती हैं, बेरोजगारी की समस्या बढ़ती है ।अपराधों की वृद्धि होती है, पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है , बिमारियाँ फैलती हैं, महँगाई बढ़ती है आदि । **समस्या का समाधान :** हमारी सरकार तथा संस्थाओं को चाहिए कि सभाओं, गोष्टियों, संचार- माध्यमों द्वारा छोटे परिवार से होनेवाले फायदों का प्रचार-प्रसार करें । **उपसंहार :** हमारे देश के विकास में जनसंख्या की वृद्धि एक बहुत बड़ी समस्या है । इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए देश का प्रत्येक नागरिक को इस समस्या को हल करने में सहयोग देना होगा । ख) **इंटरनेट से लाभ** **प्रस्तावाना** : आज का युग इंटरनेट युग है । । इसकी वजह से पुरे विश्व का विस्तार एक गाँव सा हो गया है । इनसानी सोच का दायरा बड़ गया है । इनसान के लिए खान-पान जितना ज़ूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक है । **अर्थ :** इंटरनेट अनगिनत कंप्युटरों के कई अंतरजालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है । **लाभ :** जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है । इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकीन हो गया है इंटरनेट द्वारा हम घर बैटे-बैटे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह चाहे जितनी रकम भेज सकते हैं । वीडियो कान्फरेन्स द्वारा विभिन्न देश के 8-10 प्रतोनिधियों के साथ एक साथ एक कमरे बैठकर विचार विनमय कर सकते हैं आई.टी. और आई. टी. ई. एस्. संस्थाओं से कई लोगों कूजगार मिला है ।	4

प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

<u>परिणाम</u> : इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैकिंग फ्राड़, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नही बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासील कर रहे हैं । इसलिए हम लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए ।

<u>उपसंहार :</u> वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट से मानव जीवनशैली और उसकी सोच में क्रातंतिकारी परिवर्तन हुआ है । जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है ।

ग) राष्ट्रीय भावैक्यता

<u>प्रस्तावना :</u>

राष्ट्रीय भावैक्यता हमारे देश की पहचान है। हमारा भारत पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखता है। भारत में जाति, रंग, रूप, वेशभूषा अलग होने के बावजूद भी यह एक सूत्र में बंधा है। जिस प्रकार अनेक वाद्य यंत्र मिलकर संगीत की एक लय, एक गति एक लक्ष्य और एक भाव बना देते हैं और मनमोहक संगीत का जन्म होता है। भारत में भी विभिन्न जातियां, धर्म, भाषाएं, बोलियां एवं वेशभूषा हैं, फिर भी हम सब एक हैं।

<u>अनेकत में एकता :</u>

अनेक भिन्नताओं के बावजूद एकजुट रहने की अवधारणा को अनेकता में एकता कहा जाता है। ये मतभेद कई प्रकार के हो सकते हैं - धार्मिक, सांस्कृतिक, जाति, पंथ, भाषा, क्षेत्रीय मतभेद और समाज में ऐसी कई अन्य चीजें। इन मतभेदों से ऊपर उठना और एकजुट रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें सामाजिक, सांप्रदायिक और राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बने रहने के लिए एकता की आवश्यकता है।

<u>संस्कृति और पर्व :</u>

हामारे देश मे राष्ट्रीय भावैक्यता उत्पन करनेवाले कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्व मनाये जाते है । जैसे : स्वतंत्रता दिवस, गाणतंत्र दिवस, गांधी जयंती, बाल दिवस, साहित्य सम्मेलन, जन जागृति सम्मेलन, भारतीय सांस्कृतिक उत्सव, वन महोत्सव राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम आदि ।

<u>उपसंहार :</u>

राष्ट्रीय भावैक्यता बुरी से बुरी परिस्थिति से उभरने में मदद करती है। इससे लोगों

	के अंदर एक-दूसरे के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित होती है और लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। आपसी रिश्तों और भावनाओं को और अधिक मजबूती मिलती है, इससे जीवन शैली, कार्यकुशलता, और उत्पादकता में सुधार आता है और देश के विकास को बल मिलता है	
38	प्रेषक, दिनांक : 31/01/2024 अ ब क सरकारी माद्यमिक विद्यालय, हुल्लोली ता: हुक्केरी 591305 पूज्य पिताजी, सादर प्रणाम, आपके आशिर्वाद से मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता/ती हूँ आप भी कुशल होंगे। मेरी पढ़ाई भी अच्छी तरह से चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकार पढ़ाई में व्यस्थ रहता/ती हुँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय गवाँ नहीं रहा/ही हूँ। उम्मिद दिलता/ती हूँ कि आगामी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंको साथ उत्तीर्ण हो जाऊँगा/गी। आपका आशिर्वाद सदा मुझ पर बना रहे। माता जी को मेरा प्रणाम और छोटे भाई को ढेर सारा प्यार। आप का प्रिय पुत्र/पुत्री अ ब क सेवा में, क ख ग तीसरा क्रॉस, विद्यानगर चिक्कोडी , 591201 अथवा प्रेषक, दिनांक : 31/01/2024 अ ब क सरकारी माद्यमिक विद्यालय, हुल्लोली ता: हुक्केरी 591305 सेवा में, प्रधानाध्यापक, सरकारी माद्यमिक विद्यालय, हुल्लोली ता: हुक्केरी 591305	5

महोदय,

विषय: तीन दिन की छुट्टी के लिए विनती पत्र ।

उपर्युकर विषय के संबंध में आप से निवेदन है कि हमारे घर में मेरी बड़ी बहन की शादी दिनांक 02/02/2024 को होनेवाली है । इस शादी में भाग लेने के लिए मैं गाँव जाना चाहता हूँ। इसलिए आप मुझे दिनांक 01/02/2024 से 03/02/2024 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद

स्थान : हुल्लोली
दिनांक: 31/01/2024

आपका/की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा
अ ब क